25139

STATE BANK OF INDIA

Sl. No.

GSR / 001 : 270462

SDC 882

भारतीय स्टेट बैंक/ S.B.I
M.R., Gurgaon

RECEIPT

भारतीय स्टेट बैंक/ S.B.I
महरौली रोड़ गुड़गांव / M.R., Gurgaon
कोड/Code No.01565

STATE BANK OF INDIA ______ Branch ______ Code No. ______

Received a sum of Rs. 150,600/-

(Rupees One lacs fifty thousand Six hundred only only)

from Smt. / Shri M/s DRUZBA OVERSEAS PVT LTD.

s/o, d/o, w/o N.A

residing at NEW DELHI for credit to Government of Haryana account towards Stamp Duty.

Date : 7 DEC 2010

Place : GURGAON

(Signatures of Authorised Officer)

THE SEAL OF THE REGISTRAR GURGAON

बयनामा

विक्रेता श्रीमति इन्द्रा देवी आदि	:	क्रेता मैसर्स द्रुजबा ओवरसीज प्रा0 लि0,
1– किस्म वसीका	:	बयनामा
2– मालियती	:	21,51,042/– रूपये
3– स्टाम्प	:	1,50,600/– रूपये
4– गांव/शहर का नाम	:	बसई/गुड़गांव

अजित मंजू

Sangeeta

Deficiency ... S/- ... received
V.R. No. 22486 ... 7/12/10

S. R. Gurgaon

प्रलेख नः 25139

दिनाँक 07/12/2010

डीड सबंधी विवरण		
डीड का नाम SALE WITH IN MC AREA		
तहसील/सब-तहसील गुडगांवा	गांव/शहर बसई	स्थित बसई
भवन का विवरण		
भूमि का विवरण		
चाही		
धन सबंधी विवरण		
राशि 2,151,042.00 रुपये		कुल स्टाम्प डयूटी की राशि 150,605.00 रुपये
स्टाम्प की राशि 150,600.00 रुपये	रजिस्ट्रेशन फीस की राशि 12,500.00 रुपये	पेस्टिंग शुल्क 2.00 रुपये
बी बुक न. 22486	राशि 5 रूपये	दिनांक 07/12/2010

Drafted By: Mahesh K. Chauhan Adv.

यह प्रलेख आज दिनाँक 07/12/2010 दिन मंगलवार समय 1:58:00PM बजे श्री/श्रीमती/कुमारी Indra Devi पुत्र/पुत्री/पत्नी श्री/श्रीमती/कुमारी Charan Singh निवासी Basai Gurgaon द्वारा पंजीकरण हेतु प्रस्तुत किया गया।

मंजू

हस्ताक्षर प्रस्तुतकर्ता

उप/सयुँक्त पंजीयन अधिकारी
गुडगांवा

श्री Indra Devi, Sharmila, Manju Devi, Anjit, Sangeeta

उपरोक्त विक्रेता व श्री/श्रीमती/कुमारी Thru- Bachitra Pal Singh क्रेता हाजिर है। प्रस्तुत प्रलेख के तथ्यो को दोनो पक्षो ने सुनकर तथा समझकर स्वीकार किया। प्रलेख के अनुसार 0.00 रूपये की राशि क्रेता ने मेरे समक्ष विक्रेता को आदा की तथा प्रलेख मे वर्णित अग्रिम अदा की गई राशि के लेन देन को स्वीकार किया।

दोनो पक्षो की पहचान श्री/श्रीमती/कुमारी Kawal Singh पुत्र/पुत्री/पत्नी श्री/श्रीमती/कुमारी Sukh Pal Singh निवासी Basai Gurgaon व श्री/श्रीमती/कुमारी Mahesh K. Chauhan पुत्र/पुत्री/पत्नी श्री/श्रीमती/कुमारी निवासी Adv. Gurgaon ने की।

साक्षी नः 1 को हम नम्बरदार/अधिवक्ता के रूप में जानते है तथा वह साक्षी न:2 की पहचान करता है।

दिनाँक 07/12/2010

उप/सयुँक्त पंजीयन अधिकारी
गुडगांवा

5– रकबा	:	0 बीघा 4 बिसवा 2.6 बिसवानसी
6– किस्म अराजी	:	चाही
7– स्टाम्प विक्रेता	:	एस0बी0आई0, महरौली रोड़, गुड़गांव।
8– स्टाम्प नं0 / तारीख	:	क्रमाक न0 GSR/001/

हमके श्रीमति इन्द्रा देवी विधवा व शर्मिला –मन्जु देवी – अनजीत – संगीता पुत्रीयान चरण सिंह निवासीगण गाँव बसई तह0 व जिला गुड़गाँव के हैं।

जो कि हम वाका मौजा बसई तह0 व जिला गुड़गाँव में अराजी खेवट नं0 273, खतौनी नं0 354 खसरा नं0 244 (3–2) कुल रकबा 3 बीघा 2 बिसवा मे से 1/15 भाग समभाग यानि कि रकबा बाकदर 0 बीघा 4 बिसवा 2.6 बिसवानसी के बरूये जमांबदी सन 2001–2002 व बरूये इंतकाल नं0 5593,6075 के द्वारा मालिक व काबिज हैं। जोकि उपरोक्त रकवा ताहाल हर किस्म के भार से पाक व साफ है। इस पर कोई सरकारी या गैरसरकारी भार व कर्जा नहीं है, ना ही उपरोक्त विक्रय अराजी की बाबत कोई मुकदमा किसी भी अदालत में विचाराधीन है, ना ही उपरोक्त अराजी की बाबत विक्रेता ने आज से पहले किसी दीगर शक्स के साथ कोई इकरारनामा, बय, रहन, पट्टा, तबादला, हिब्बा, आदि किया हुआ है, ना ही उपरोक्त विक्रय अराजी एक्वारमैंट ना है, ना ही सरप्लस में है, ना ही उपरोक्त अराजी की बाबत अपने किसी कानूनी वारिसान के नाम कोई कोर्ट डिक्री आज से पहले की है। यह कि उपरोक्त रकवे पर किसी का मौरूसी या गैरमौरूसी हक व हकूक ना है यानि उपरोक्त विक्रय अराजी ताहाल हर प्रकार के भार से पाक व साफ है। अगर उपरोक्त रकवे पर कोई भी रहन, पट्टा, तबादला, हिब्बा, मौरूसी या गैरमौरूसी पाया जाता है तो उसका हम स्वयं जिम्मेदार होगे वह हम ठीक कराकर देगें व भूमि से किसी प्रकार की मिट्टी ना उठाई गयी है तथा जमीन का लेवल समतल है। अब विक्रेता को बराये सुधार दीगर जायदाद व जरूरत खानगी व सारे परिवार की सहमति से परिवार की जरूरत पूरा करने के लिये रूपयों की जरूरत है इसलिए आज अपने ठीक होश व हवास में बगैर किसी दबाव के अपनी मर्जी व खुशी से अपना सम्पूर्ण हिस्सा

अजित मन्जु
Sangeeta

ATI इन्द्रा देवी

RTI शर्मिला

Reg. No.	Reg. Year	Book No.
25139	2010-2011	1

विक्रेता　　　　　　　　　　　　क्रेता　　　　　　　　　　　　गवाह

विक्रेता

Indra Devi____________ RTI Sharmila____________ RTI Manju Devi____________ Anjit____________ Sangeeta____Sangeeta____

मंजू　　अंजित

क्रेता

Thru- Bachitra Pal Singh____________

गवाह 1:- Kawal Singh____________ गवाह 2:- Mahesh K. Chauhan____________

THE SEAL OF ... REGISTRAR GURGAON

प्रमाण–पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि यह प्रलेख क्रमांक 25,139 आज दिनाँक 07/12/2010 को बही नः 1 जिल्द नः 9,753 के पृष्ठ नः 140 पर पँजीकृत किया गया तथा इसकी एक प्रति अतिरिक्त बही सख्या 1 जिल्द नः 832 के पृष्ठ सख्या 52 से 53 पर चिपकाई गयी। यह भी प्रमाणित किया जाता है कि इस दस्तावेज के प्रस्तुतकर्ता और गवाहो ने अपने हस्ताक्षर/निशान अंगुठा मेरे सामने किये है ।

दिनाँक 07/12/2010

उप/सयुँक्त पँजीयन अधिकारी
गुडगांवा

अपनी उपरोक्त आराजी रकबा यानि कि कुल 0 बीघा 4 बिसवा 2.6 बिसवानसी को मय सर्व अधिकार सहित व हक हकूक दाखिली खारिज के बदले मु0 21,51,042/– रूप्ये (इक्कीस लाख इक्यावन हजार बयालिस रूप्ये केवल) आधे जिनके मुबलिग 10,75,521/– रूपये होते हैं, बाहकः क्रेता मैसर्स द्रुजबा ओवरसीज प्रा0 लि0, एम–11,मिडिल सर्किल कनॉट प्लेस नई दिल्ली को बय व फरोक्त कतई कर दी है। कुल जरे बय बजरिये चैक व नकद वसूल पा लिए है। जोकि निम्न प्रकार से है –

श्रीमति इन्द्रा देवी ने मु0 18,000/– रूप्ये बजरिए चैक नं 0000140 दिनांक 25–02–2006 व मु0 1,54,085/– रूप्ये बजरिए चैक नं0 098136 दिनांक 06–12–2006 मु0 2,58,123/– बजरिए चैक नं0 098141 अदाकर्ता बैंक सिटी बैंक नई दिल्ली द्वारा वसूल पा लिऐ है।

शर्मिला ने मु0 18,000/– रूप्ये बजरिए चैक नं 0000140 दिनांक 25–02–2006 व मु0 1,54,085/– रूप्ये बजरिए चैक नं0 098137 दिनांक 06–12–2006 मु0 2,58,123/– बजरिए चैक नं0 098142 अदाकर्ता बैंक सिटी बैंक नई दिल्ली द्वारा वसूल पा लिऐ है।

मन्जु देवी ने मु0 18,000/– रूप्ये बजरिए चैक नं 0000140 दिनांक 25–02–2006 व मु0 1,54,085/– रूप्ये बजरिए चैक नं0 098138 दिनांक 06–12–2006 मु0 2,58,123/– बजरिए चैक नं0 098143 अदाकर्ता बैंक सिटी बैंक नई दिल्ली द्वारा वसूल पा लिऐ है।

अनजीत ने मु0 18,000/– रूप्ये बजरिए चैक नं 0000140 दिनांक 25–02–2006 व मु0 1,54,085/– रूप्ये बजरिए चैक नं0 098139 दिनांक 06–12–2006 मु0 2,58,124/– बजरिए चैक नं0 098144 अदाकर्ता बैंक सिटी बैंक नई दिल्ली द्वारा वसूल पा लिऐ है।

संगीता ने मु0 18,000/– रूप्ये बजरिए चैक नं 0000140 दिनांक 25–02–2006 व मु0 1,54,085/– रूप्ये बजरिए चैक नं0 098140 दिनांक 06–12–2006 मु0 2,58,123/– बजरिए चैक नं0 098146 अदाकर्ता बैंक सिटी बैंक नई दिल्ली द्वारा वसूल पा लिऐ है।

अब मजकूर खरीदार कम्पनी के जिम्मे किसी किस्म का कोई लेन–देन बाकी नहीं रहा है। कब्जा मौके पर मजकूर खरीदार कम्पनी को उपरोक्त नम्बरान पर कब्जा देकर पूर्ण रूप से अपने जैसा मालिक व काबिज बना दिया है। मैंने खरीदार कम्पनी को उपरोक्त किला नम्बरान पर कब्जा दे दिया है। जोकि अभी से पहले सिर्फ मेरा/हमारा कब्जा ही उपरोक्त किला नम्बरान पर था। और

अजित मंजु
Sangeeta

RTI इन्द्रा देवी

RTI शर्मिला

उपरोक्त रकबा और किला नम्बरान से मेरे/हमारे अलावा किसी और का ना ही कोई वास्ता था और ना ही किसी और का कब्जा उपरोक्त रकबा और कीला नम्बरान पर था। अब मजकूर खरीदार कम्पनी अराजी मुबईया को जिस तरह चाहे इस्तेमाल करे विक्रेता को कोई उजर व ऐतराज नहीं होगा। विक्रेता कागजात माल रिकार्ड में मजकूर खरीदार कम्पनी के नाम दाखिल खारिज दर्ज व मंजूर करा देगा। अगर विक्रेता कागजात माल रिकार्ड में मजकूर खरीदार कम्पनी के नाम दाखिल खारिज दर्ज व मंजूर ना करा पावे तो मजकूर खरीदार कम्पनी को हक हासिल होगा कि हजां दस्तावेज की रूह से कागजात माल रिकार्ड में अपने नाम दाखिल खारिज दर्ज व मंजूर करा लेवे जिसमें विक्रेता को किसी किस्म का कोई उजर व एतराज ना होगा। आगे भविष्य में रकबा मजकूरा बाला या इसका कोई हिस्सा किसी नुक्स कानूनी या मलकियत के सवाल पर कब्जा खरीदार कम्पनी से निकल जावेगा तो विक्रेता वापसी कुल जरे बय मय हरजा वा खरचा मय लागत की अदायगी की जिम्मेवार रहेंगे। अब मेरा व मेरे किसी वारिसान का आराजी मुबईया से कोई ताल्लुक व वास्ता किसी किस्म का नहीं रहा है। मैं व मेरे वारिसान इस तहरीर के पाबन्द रहेंगे। तमाम् रजिस्ट्री खर्चा यानि स्टाम्प डयूटी व रजिस्ट्रेशन फीस इत्यादि खर्चा मजकूर खरीदार कम्पनी ने अपनी तरफ से किया है।

अतः यह बयनामा खूब सोच समझ कर, पढ़वाकर, सुनकर, हाजिर गवाहन लिख दिया कि सनद रहे ताकि आगे भविष्य में बावक्त जरूरत काम आवे। तहरीर तारीखः 07–12–2010

Drafted By:
Mahesh K. Chauhan
Advocate
Distt. Courts, Gurgaon

ह0 श्रीमति इन्द्रा देवी विक्रेता   ह0 शर्मिला विक्रेता   मन्जु
ह0 मन्जु देवी विक्रेता

अंजित
ह0 अनजीत विक्रेता   Sangeeta
ह0 संगीता विक्रेता

ह0 कम्पनी क्रेता
श्री बचित्रपाल सिह
(बजरिए अधिकृत प्रतिनिधि)

गवाह नं0 1
Mahesh K. Chauhan
Advocate
Distt. Courts, Gurgaon

गवाह नं0 2
Kawal Singh
KAWAL SINGH
S/o SUKH PAL SINGH
R/o VILL. BASAI

THE SEAL OF THE SUB REGISTRAR GURGAON

वारिसान का आराजी मुबईया से कोई ताल्लुक व वास्ता किसी किस्म का नहीं रहा है। मैं व मेरे वारिसान इस तहरीर के पाबन्द रहेंगे। तमाम् रजिस्ट्री खर्चा यानि स्टाम्प डयूटी व रजिस्ट्रेशन फीस इत्यादि खर्चा मजकूर खरीदार कम्पनी ने अपनी तरफ से किया है।
अतः यह बयनामा खूब सोच समझ कर, पढ़वाकर, सुनकर, हाजिर गवाहन लिख दिया कि सनद रहे ताकि आगे भविष्य में बावक्त जरूरत काम आवे।

Drafted by

तहरीर तारीखः 01–12–2010

Subhash Chandra Arora
Advocate
Distt. Courts, Gurgaon

ह0 जगदीश विक्रेता ह0 नरेश कुमार विक्रेता ह0 सुनील कुमार विक्रेता

ह0 श्रीमति नीलम विधवा विक्रेता

ह0 कम्पनी क्रेता
श्री बचित्रपाल सिहं
(बजरिए अधिकृत प्रतिनिधि)

गवाह नं0 1

Subhash Chandra Arora
Advocate
Distt. Courts, Gurgaon

गवाह नं0 2

Kanwal Singh